Title: Need to enquire the matter of group clashes in the Lamikarahi village in Satna District of Madhya Pradesh..

श्री रामानन्द सिंह (सतना) : उपाध्यक्ष महोद्य, मध्य प्रदेश के सतना जिले में अमरपाटा थाने के अन्तर्गत ग्राम लामीकरहीं में होली के दिन दो समूहों में आप्स में झग्ड़ा हुआ। उसमें एक आदमी की हत्या हुई, वह वकील था। हत्या के बाद दाह स्ंस्कार के बाद उनके गांव के कोई 300 से 500 लोग बन्दूक, रायफल, कट्टे, मिट्टी का तेल, कैरोसीन लेकर आये और लामीकरहीं गांव में उन्होंने सामूहिक रूप से आग लगाना शुरू किया। इस गिरोह को देख कर गांव के गरीब लोग, जो ज्यादातर हरिजन थे, कोट्वार थे, धोबी थे, वे गांव छोड़कर भागने लगे। उनके जो बच्चे बचे, उनमें से एक बच्ची जल गई। उनके पूरे 40 घरों में से एक भी घर नहीं बचा, जिसमें कप्ड़ा, लकड़ी, चारपाई, ओढ़ने बिछाने के वस्त्र कुछ नहीं बचा, इतना द्यनीय, हृदयविदारक कांड हुआ। सबसे दुखद बात यह है कि करीब 350 लोगों पर एफ.आई.आर. है, मध्य प्रदेश के आई.जी., डी.आई.जी. सब वहां गये, लेकिन अभी तक कोई मंत्री वहां नहीं गया। वहां के कलैक्टर ने स्कूल में कैम्प लगाकर लायंस क्लब और रोटरी क्लब की मदद से सात दिन तक उन गरीबों को खाना दिया, लेकिन वह भी अब बन्द कर दिया गया।

उनके घर में एक दाना नहीं है। ओढ़ने तक के कप्ड़े नहीं है, डिस्ट्रिक्ट क्लैक्टर ने उनको दो-तीन टिन दिए हैं और बहुत लोग पेड़ों के नीचे प्ड़े हुए हैं। मुख्य मंत्री वहां नहीं गए हैं। मैं जातिवाद की बात नहीं कहना चाहता हूं, लेकिन मुख्य मंत्री ठीक तरीके से काम नहीं कर रहे हैं और जातिवाद को प्रश्रय दे रहे हैं। पूरा गांव एक जाति के लोगों का है। यही कारण है कि इतने भयंकर वीभत्स कांड के बाद भी वहां के एसपी और थानेदार द्वारा 350 लोगों के खिलाफ एफआईआर लिखने के बाद भी 21 मार्च से गिरफ्तारियां नहीं हुई हैं। जिला कलैक्टर ने चार हजार रुपए दिए हैं, जबकि एड्शिनल कलैक्टर की रिपोर्ट के मुताबिक सात-आठ लाख रुपए की सम्पत्ति त्बाह हुई है, जो गरीब लोगों और खेतिहर मजदूरों की थी। अब उनके पास कुछ भी नहीं है। खाने तक की व्यवस्था नहीं है। तीन राजपूतों के परिवारों के ट्रैक्टर, साढ़े सात सौ क्विंटल अनाज, चना आदि जला दिया गया है। मध्य प्रदेश में ला-एंड-आर्डर की स्थिति ठीक नहीं है। मैं यह नहीं कहना चाहता हूं, कैसे नक्सलियों द्वारा एक मंत्री ही हत्या कर दी गई। पिछले तीन महीने में भिन्ड में 111 अपहरण हुए। वहां के मुख्य मंत्री को हटा देना चाहिए। उन्होंने अभी तक पीडितों की मदद नहीं की है। मैं भारत सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि नैना, गढ़ही के पीड़ित लोगों के लिए भारत सरकार आगे आए, क्योंकि दिग्विज्य सिंह अपनी बिरादरी के लोगों को कोई कट नहीं देना चाहते है और वे कहते हैं कि हमारे पास पैसा नहीं है। हमारा 91 प्रतिशत बजट इस्टैबलिशमेंट पर खर्च हो रहा है, हम कहां से पैसा देंगे। मैं भारत सरकार से अपील करूंगा कि इन पीड़ितों की मदद के लिए भारत सरकार आगे आए और इसकी सीबीआई से जांच कराई जाए। अपराधी व्यक्तियों को गिरफ्तार कर, दंडित किया जाए।

महोद्य, इस संबंध में भारत सरकार की तरफ से रियैक्शन आना चाहिए। मध्य प्रदेश में घटनायें हो रही है और ये 40 परिवार कहां जायेंगे, इस बारे में भारत सरकार को बताना चाहिए।

उपाध्यक्ष महोद्य : शून्य काल में मंत्री महोद्य से इनट्रैक्शन नहीं हो सकता है।